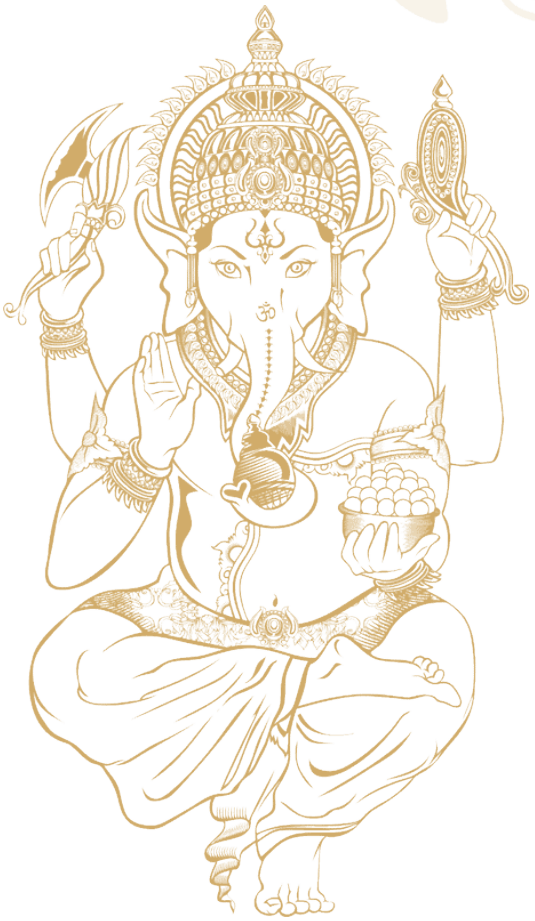

P

13 Nov 1997

02:44 PM

Kolhapur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121709302

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**13/11/1997**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**14:44:00 घंटे**
इष्ट	20:20:10 घटी
स्थान	**Kolhapur**
राज्य	Maharashtra
देश	India

अक्षांश	16:42:00 उत्तर
रेखांश	74:19:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:32:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	14:11:16 घंटे
वेलान्तर	00:15:45 घंटे
साम्पातिक काल	17:41:23 घंटे
सूर्योदय	06:35:55 घंटे
सूर्यास्त	17:58:10 घंटे
दिनमान	11:22:15 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	27:12:11 तुला
लग्न के अंश	00:20:39 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	व्यतिपात
करण	वणिज
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ला-लाखन
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

Pt. Nagraj B Purohit
499 C Vod Aajad Gali Kolhapur
9423277977

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	00:20:39	451:19:00	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	चंद्र	---
सूर्य			तुला	27:12:11	01:00:22	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	नीच राशि
चंद्र			मेष	10:45:54	14:42:32	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	सम राशि
मंगल			धनु	09:18:15	00:45:20	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	मित्र राशि
बुध			वृश्चि	14:25:40	01:26:09	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	सम राशि
गुरु			मक	20:21:46	00:06:43	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	केतु	नीच राशि
शुक्र			धनु	14:02:08	00:57:00	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	सम राशि
शनि	व		मीन	20:39:41	00:03:17	रेवती	2	27	गुरु	बुध	शुक्र	सम राशि
राहु	व		सिंह	23:56:59	00:07:25	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	शनि	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	23:56:59	00:07:25	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	शत्रु राशि
हर्ष			मक	11:17:24	00:01:30	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	मंगल	---
नेप			मक	03:41:58	00:01:09	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
प्लूटो			वृश्चि	11:05:07	00:02:19	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	---
दशम भाव			धनु	01:54:02	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:32

लग्न-चलित

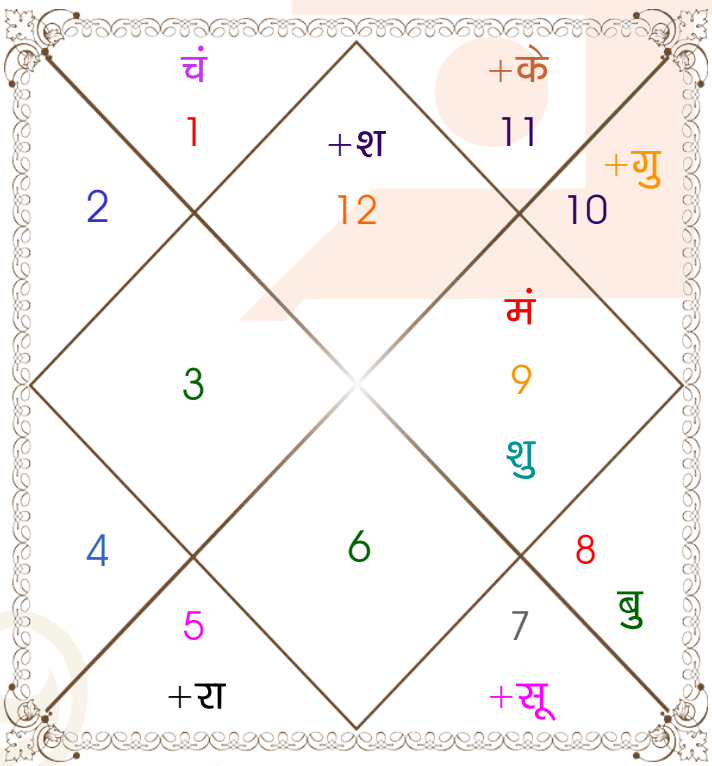

चन्द्र कुंडली

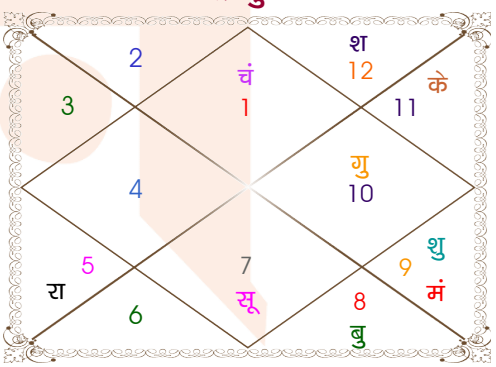

नवमांश कुंडली

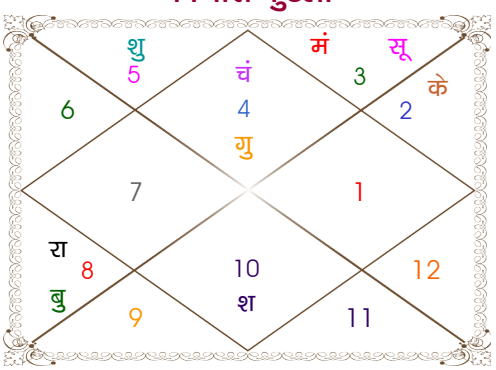

Pt. Nagraj B Purohit
499 C Vod Aajad Gali Kolhapur
9423277977

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 1 वर्ष 4 मास 5 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
13/11/1997		21/03/1999		21/03/2019		20/03/2025		21/03/2035	
21/03/1999		21/03/2019		20/03/2025		21/03/2035		20/03/2042	
	00/00/0000	शुक्र	20/07/2002	सूर्य	08/07/2019	चंद्र	18/01/2026	मंगल	17/08/2035
	00/00/0000	सूर्य	20/07/2003	चंद्र	07/01/2020	मंगल	20/08/2026	राहु	03/09/2036
	00/00/0000	चंद्र	20/03/2005	मंगल	14/05/2020	राहु	18/02/2028	गुरु	10/08/2037
	00/00/0000	मंगल	20/05/2006	राहु	07/04/2021	गुरु	19/06/2029	शनि	19/09/2038
	00/00/0000	राहु	20/05/2009	गुरु	25/01/2022	शनि	19/01/2031	बुध	16/09/2039
	00/00/0000	गुरु	19/01/2012	शनि	07/01/2023	बुध	19/06/2032	केतु	12/02/2040
	13/11/1997	शनि	21/03/2015	बुध	13/11/2023	केतु	18/01/2033	शुक्र	13/04/2041
शनि	23/03/1998	बुध	18/01/2018	केतु	20/03/2024	शुक्र	19/09/2034	सूर्य	19/08/2041
बुध	21/03/1999	केतु	21/03/2019	शुक्र	20/03/2025	सूर्य	21/03/2035	चंद्र	20/03/2042

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
20/03/2042		20/03/2060		20/03/2076		21/03/2095		21/03/2112	
20/03/2060		20/03/2076		21/03/2095		21/03/2112		00/00/0000	
राहु	01/12/2044	गुरु	08/05/2062	शनि	24/03/2079	बुध	16/08/2097	केतु	17/08/2112
गुरु	26/04/2047	शनि	18/11/2064	बुध	01/12/2081	केतु	13/08/2098	शुक्र	17/10/2113
शनि	02/03/2050	बुध	24/02/2067	केतु	10/01/2083	शुक्र	14/06/2101	सूर्य	22/02/2114
बुध	18/09/2052	केतु	31/01/2068	शुक्र	11/03/2086	सूर्य	21/04/2102	चंद्र	23/09/2114
केतु	07/10/2053	शुक्र	01/10/2070	सूर्य	21/02/2087	चंद्र	20/09/2103	मंगल	19/02/2115
शुक्र	07/10/2056	सूर्य	20/07/2071	चंद्र	22/09/2088	मंगल	16/09/2104	राहु	09/03/2116
सूर्य	31/08/2057	चंद्र	18/11/2072	मंगल	31/10/2089	राहु	06/04/2107	गुरु	13/02/2117
चंद्र	02/03/2059	मंगल	25/10/2073	राहु	06/09/2092	गुरु	12/07/2109	शनि	14/11/2117
मंगल	20/03/2060	राहु	20/03/2076	गुरु	21/03/2095	शनि	21/03/2112		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 1 वर्ष 4 मा 6 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मीन लग्न में हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर कर्क राशि का नवमांश एवं मीन राशीय द्रेष्काण भी उदित हुआ था। इसके द्वारा यह स्पष्ट हो रहा है कि आप भावुक एवं स्वेच्छाचारी प्रवृति के प्राणी हैं। आपका जन्मफल ऐसा सूचित कर रहा है कि आपका जीवन अत्यंत आनंद पूर्वक अपनी प्रेमिका एवं सुरा से युक्त जीवन यापन करेंगे। अर्थात् आपको सुरा और सुंदरी से लगाव रहेगा।

आप प्रेम लीला को प्रथम सर्वोच्च स्थान देते हैं। आप सुंदर, मनोहर, प्रतिभाशाली एवं बुद्धिमती स्त्री को पसंद करते हैं। आपके जीवन का उद्देश्य एवं मुख्य अभिरूचि प्रेम-संबंध स्थापित करना है। इसके पश्चात अति धनी बनने के प्रति अभिरूचि रखेंगे। आप अपने जीवन संगिनी के चयन हेतु कन्या एवं कर्क राशि या जन्म लग्न के जातकों में से किसी का भी चयन करना चाहिए।

आपका संबंध आपको बिस्तर पर लेटने वाली संगिनी के साथ रहेगा। इसके पश्चात् आप अन्यों के साथ भी मिलते जुलते अर्थात् सम्मिलित रहेंगे। आप दोनों पक्ष के लिए सशंकित रहोगे। यदि आप इर्ष्यायुक्त होकर अपने विचार से किसी को निर्वासित कर दिए तो आप बहुत आनंदपूर्वक घरेलू जीवन व्यतीत कर सकेंगे तथा अच्छी प्रकार प्रिय संतान से युक्त हो जाओगे।

आपका अन्य पक्ष यह है कि आप सतर्कता पूर्वक अपने मित्रों का चयन करने में अग्रसर होंगे। इसके पश्चात आप वहिर्गामी हो कर विश्वसनीयता एवं तत्परता से युक्त होंगे। इसके पश्चात आप मन ही मन यह अनुभव करोगे कि वे लोग आपकी कार्य-योजना में आपके साथ कोई धोखा धड़ी किए है। इस प्रकार की संभावित घटनाओं के पूर्व मित्रमंडली का उत्कर्षण आवश्यक है। उत्कर्षित मित्र बनाना भी नितांत आवश्यक है।

आप बुद्धिमत्ता पूर्वक धन उपार्जन कर, धन प्रदान करेंगे। आप धन का संचय कर व्यवसाय कर सकते हों। आप अपने लिए सुगमता पूर्वक धन प्राप्त करने के सुगम पथ का परित्याग कर कठिन श्रम से अपने कर्म उद्देश्य के प्रति समर्पण की भावना से युक्त होंगे। अब के बाद निश्चित रूप में मद्यपान के प्रति अपनी आशक्ति रोगादि को आमंत्रित करेंगे। जैसे गैस्टिक दिक्कते, क्षय रोगादि। हृदय संबंधी दिक्कतों से सदैव आक्रांत रहेंगे। आप अपने उत्तम स्वास्थ्य हेतु निश्चित रूप से मद्यपान का परित्याग करें। इस प्रवृति को स्वीकार करने से आपकी आलोचना होगी। अतएव मद्यपायी प्रवृति को त्याग दें।

आपके मीन राशि वाले द्वि स्वाभात्मक प्राणी होते है। आप अन्यों के विचार से एक पहेली है जैसा कि अपने लिए भी हैं। कई बार अन्य लोग आपके बारे में समझ नहीं पाते है। वे लोग आपके लक्ष्य के संबंध में नहीं समझ पाते हैं। आपकी विभिन्न अवस्थाओं का मूल्यांकन करना उनके लिए सरल नहीं है। आप सदैव कल्पना लोक में विचरण करते हो। इस प्रकार की बातों का सत्यता से कोई संबंध नहीं है। यह आपकी समस्याओं को स्वीकार करता है। अतएव आप अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए एकदम आश्वस्त नहीं है। आप इस प्रकार अनिश्चितता एवं हतोत्साहित हो सकते हैं। फलस्वरूप आप पीछे रह जाओगे तथा आपका विश्वास दूसरों के द्वारा

सामंजस्य पूर्ण बन जाएगा तथा प्रतिज्ञा करना पड़ेगा। इस प्रकार आप अपनी अभिलाषा के अनुरूप सुव्यवस्थित हो कर निश्चित रूप से आरामदायक जीवन व्यतीत कर सकेंगे।

मीन राशीय प्रभाव के पीछे केंद्रीय बिंदु यह है कि आप गुह्य विद्या, रहस्यात्मक, व्यापार संघ, ध्यान साधना एवं मनोवैज्ञानिक के रूप में व्यवसाय अपना सकते हैं। मीन राशीय प्रभाव से आप धार्मिक कार्य के पीछे समर्पित रहेंगे तथा धर्म नेता के रूप में उत्सुक हो कर माननीय बंधन से मुक्त हो सकते हैं। आपका अंतिम लक्ष्य आपकी कल्पना शक्ति के अनुसार मोक्ष प्राप्त करना अथवा उद्धार हो कर यथार्थ रूप से सामरिक अस्तित्व को पुनः प्राप्त नहीं करें। अर्थात् पुर्नजन्म न हो ऐसा है।

आप अपनी बुद्धि के अनुसार चाहे जो भी उसी कार्य के प्रति पीछे पड़ जाते हैं तथा कठिन श्रम करेंगे तथा संबंधित लाभांश भी प्राप्त करेंगे। आपके लिए काल्पनिक अर्थात् आदर्श कार्य व्यवसाय, प्रशासनिक पदाधिकारी अथवा सरकारी विभाग उपयुक्त है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में रविवार, गुरुवार, मंगलवार का दिन उच्चस्तरीय अनुकूलता से युक्त है। परंतु इसके अतिरिक्त बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए अनुकूल अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक भाग्यशाली हैं। परंतु 8 अंक सर्वथा प्रतिकूल हैं।

आपके लिए लाल, गुलाबी, नारंगी एवं पीला रंग सुखद एवं लाभदायक है, परंतु रंग हरा, क्रीम एवं सफेद रंग आपके जीवन साथी के लिए अनुकूल है। आप नीले रंग का व्यवहार न करें।